

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
कृषि विभाग,
उत्तराखण्ड देहरादून।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 03 फरवरी, 2016

विषय:- वर्ष 2013 में आयी दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों के पुनर्निर्माण हेतु विशेष योजनागत सहायता-पुनर्निर्माण (एस.पी.ए. (आर) के अंतर्गत धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृषि एवं कृषि विपणन विभाग के पत्र संख्या-कृ.नि./7612/तक.सम्प्रे./डी.पी. आर.-दैवी.आ./2015-16, दिनांक 28 जनवरी, 2016 के क्रम में कृषि एवं कृषि विपणन विभाग की पत्रावली संख्या-1(96)/04 टी.सी.-1 के माध्यम से ₹ 1399.93 लाख की धनराशि आवंटित किये जाने हेतु उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वर्ष 2013 में आयी भीषण प्राकृतिक आपदा, बाढ़ एवं बादल फटने आदि के कारण भारत सरकार द्वारा आपदाग्रस्त जनपदों हेतु अनुमोदित विशेष योजनागत सहायता (एस.पी.ए.-आर) के अंतर्गत अवमुक्त धनराशि के सम्बन्ध में नियोजन विभाग के पत्र संख्या-1456/37-सी/रा.यो.आ./एस.पी.ए.-आर/2015-16 टी.सी., दिनांक 14.12.2015 के क्रम में आपदा प्रबन्धन विभाग के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में कृषि एवं सम्बद्ध सेवाओं हेतु अनुदान मद में उपलब्ध बजट व्यवस्था के सापेक्ष विभागीय तकनीकी समिति द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गई धनराशि ₹ 1399.93 लाख (₹ तेरह करोड़ निम्नानबे लाख तिरानबे हजार मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार निम्नलिखित शर्तों तथा प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने तथा व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- वर्णित योजनाओं हेतु भारत सरकार द्वारा सी.एस.एस./केन्द्र पोषित योजनाओं के सम्बन्ध में निर्गत दिशा-निर्देश, मानकों एवं नियमों का पालन किया जायेगा तथा तत्काल सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।
- 2- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिये यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की नियमानुसार स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में संबंधित जिलाधिकारी/विभागाध्यक्ष, व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 3- धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किस्तों में किया जायेगा।
- 4- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी से आंगणन पर तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त करा ली जायेगी।
- 5- उक्त के सम्बन्ध में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के सुसंगत प्राविधानों तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 6- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जायेगी।
- 7- आहरण एवं वितरण अधिकारी को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी.एम.-10 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार, उत्तराखण्ड, राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 8- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु जिलाधिकारी/विभागाध्यक्ष एवं कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

- 9- कार्य करने से पूर्व अनुमन्य दर सूची के आधार पर गठित विस्तृत आंगणन की तकनीकी स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 10- त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2016 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।
- 11- विभागाध्यक्ष द्वारा सक्षम अधिकारी के माध्यम से प्रश्नगत चालू कार्यों का मासिक रूप से भौतिक सत्यापन किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 12- यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उल्लिखित कार्यों/योजनाओं पर मानकानुसार यथाप्रक्रिया भारत सरकार आदि का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। आंगणन में स्वीकृत डिजाइन/मानक एवं दरों के अन्तर्गत होने पर ही स्वीकृत धनराशि को व्यय किया जायेगा।
- 13- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- 14- यदि उक्त कार्यों में से किसी कार्य हेतु वन एवं पर्यावरण विभाग के बजट से अथवा अन्य विभागीय बजट से कोई धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है तो उस योजना हेतु इस शासनादेश द्वारा स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण न करके धनराशि शासन को समर्पित कर दी जायेगी। स्वीकृत की जा रही योजनायें किसी अन्य मद से पूर्व में स्वीकृत न की गई हो, इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की दोहराव (Duplicacy) की स्थिति के लिये विभाग के विभागाध्यक्ष पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-0104-एस.पी.ए./ए.सी.ए. (आपदा 2013) के अन्तर्गत कृषि एवं सम्बद्ध सेवाओं हेतु अनुदान-24-वृहत निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1172/XXVII(1)/2015, दिनांक 28 सितम्बर, 2015 में प्राप्त निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)
सचिव

संख्या-325 (1)/XVIII-(2)/16-12(2)/2016, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

- 1- प्रमुख सचिव, कृषि एवं कृषि विपणन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- आयुक्त, कुमाऊँ एवं गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 3- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- जिलाधिकारी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चमोली, रुद्रप्रयाग एवं उत्तरकाशी।
- 7- निदेशक, कोषागार, 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
- 8- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 9- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेंटर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- वित्त अनुभाग-1 एवं 5, उत्तराखण्ड शासन।
- 12- गार्ड फाइल।

gms
2.2.2016

आज्ञा से,


(प्रदीप कुमार शुक्ल)
अनु सचिव

**शासनादेश संख्या-325 /XVIII-(2)/16-12(2)/2016, दिनांक 03 फरवरी, 2016 का
संलग्नक**

क्र. सं.	जनपद	प्रस्तावित कार्यों का विवरण	आवंटित धनराशि (₹ लाख में)
अ-दैवी आपदा प्रभावित जनपदों में विभागीय परिसम्पत्तियों के भवन मरम्मत सम्बन्धी कार्य			
1	उत्तरकाशी	बाउण्ड्रीवाल एवं रास्तों का पुनर्निर्माण	1.22
2	उत्तरकाशी	सुरक्षा दीवाल, रास्तों का निर्माण एवं फर्स निर्माण	4.91
3	उत्तरकाशी	बीज भण्डार भवन का पुनर्निर्माण	39.80
4	रुद्रप्रयाग	सुरक्षा दीवाल एवं जल निकास नाली निर्माण	5.00
योग			50.93
ब- दैवी आपदा प्रभावित जनपदों में भूमि संरक्षण सम्बन्धी कार्य			
1	पिथौरागढ़	चैक डेम, चैक वॉल, ब्रस्टवॉल, रिटेनिंग वॉल, बाउण्ड्रीवॉल, स्पर पौध रोपण एवं अन्य कार्य	388.61
2	बागेश्वर		48.00
3	चमोली		211.80
4	रुद्रप्रयाग		300.59
5	उत्तरकाशी		400.00
योग			1349.00
महायोग			1399.93

(₹ तेरह करोड़ निन्यानबे लाख तिरानबे हजार मात्र)

(अमित सिंह नेगी)

सचिव
2.2.2016